हरिभूमि
झज्जर-बहादुरगढ़ भूमि
रोहतक, शुक्रवार, 28 नवंबर 2025

11 चार सौ मीटर दौड़ में लड़कों के वर्ग में संकेत और...

12 अधर में लटके नाला निर्माण कार्य से छावनी मोहल्ला...

खबर संक्षेप

आवारा कुत्ते ने वीरवार को भी तीन लोगों को काटा

झज्जर। पालिका बाजार में आवारा कुत्ते द्वारा राहगीरों को काटने का सिलसिला वीरवार को भी जारी रहा। दुकानदारों ने बताया कि कुत्ते द्वारा आज भी तीन राहगीरों को काटा है। नगर परिषद अधिकारियों को अवगत कराने के बाद उनकी समस्या का समाधान नहीं किया गया। दुकानदारों के अनुसार नप कर्मचारी कुत्ते की तलाश में पहुंचे थे लेकिन वह उनके हाथ नहीं लग पाया। बता दें कि बुधवार को अवारा कुत्ते द्वारा पांच से अधिक लोगों को को शिकार बनाया गया था जिससे लोगों में भय बना है। पालिका के बाजार के दुकानदार विकास गोयल, सुदेश कुमार, अशोक कुमार आदि के अनुसार बीते तीन दिनों से कुत्ते द्वारा मोटरसाइकिल सवार व पैदल लोगों को काटा जा रहा है।

हत्या की वारदात में इस्तेमाल मोबाइल बरामद

बहादुरगढ़। फतेहपुर में हुए अजीत हत्याकांड में इस्तेमाल हुआ मोबाइल पुलिस ने बरामद कर लिया है। आरोपी को जेल भेज दिया गया है। हत्याकांड में शुरुआती सुरागों के आधार पर हिरासत में लिए गए दम्पति की भूमिका स्पष्ट होने के बाद उनकी गिरफ्तारी हुई थी। इसी कड़ी में मुख्य आरोपी सोमबीर को दो दिन के रिमांड पर लिया गया था। रिमांड के दौरान सोमबीर ने माना कि घटना वाले दिन अजीत को मोबाइल फोन के जरिए ही पार्क में बुलाया गया था। इस खुलासे के बाद पुलिस ने आरोपी से वही मोबाइल फोन भी बरामद कर लिया, जिसे वारदात से पहले संपर्क साधने के लिए इस्तेमाल किया गया था। सोमबीर को अदालत में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

खेतों में मिला बुजुर्ग का शव

झज्जर। वीरवार की सुबह प्राचीन गुरुकुल के नजदीक खेतों में एक बुजुर्ग का शव मिला है। सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और वहां उपस्थित लोगों से मामले की जानकारी लेते हुए शव को कब्जे में लेकर उसे स्थानीय नागरिक अस्पताल के शवगृह भिजवाया। मृतक की पहचान जिले के गांव रिवाड़ी खेड़ा निवासी करीब साठ वर्षीय अनूप सिंह पुत्र सुलतान सिंह के तौर पर हुई है। मृतक अनूप सिंह अविवाहित था और गाड़ियों पर चालक का कार्य करता था। इसी काम के कारण वह कई-कई दिनों तक घर से बाहर रहता था। मामले के जांच अधिकारी नवीन कुमार ने बताया कि पोस्टमार्टम कराने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है। प्रथम दृष्ट्या मामला हार्टफेल होने का प्रतीत होता है।

मकान के बाहर से बाइक ले उड़े चोर

बहादुरगढ़। बादली में मकान के बाहर से बाइक चोरी हो गई। वाहन मालिक ने पुलिस को शिकायत दे दी है। जितेंद्र का कहना है कि दोपहर को ढाई बजे उसने अपनी बाइक मकान के बाहर खड़ी की थी। कोई अज्ञात शख्स चुरा ले गया। काफी तलाश की लेकिन कुछ पता नहीं चला। उधर, बादली थाना पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

लड़ाई-झगड़ा मामले में तीन आरोपी गिरफ्तार

झज्जर। गांव मदाना खुर्द में जमीनी विवाद को लेकर हुए लड़ाई झगड़े में चोट मारने मामले में कार्रवाई करते हुए पुलिस की एक टीम द्वारा तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस चौकी डीघल प्रभारी संदीप ने बताया कि देवेंद्र निवासी मदाना खुर्द की शिकायत पर मामला दर्ज किया गया था। मामले में कार्रवाई करते हुए एएसआई अशोक कुमार की टीम द्वारा तीन आरोपियों को पकड़ा गया है। पकड़े गए आरोपियों की पहचान सुनील, कृष्ण व ऋतिक तीनों निवासी गांव मदाना खुर्द जिला झज्जर के तौर पर की गई है।

इमरजेंसी सेवाओं को छोड़कर अन्य चिकित्सा सेवाएं रही बाधित

जिलेभर में 180 चिकित्सक रहे दो घंटे की पेन डाउन हड़ताल पर, राह देखते रहे मरीज

जिले में प्रतिदिन चार से पांच हजार लोग ओपीडी सेवाओं का लाभ उठाते हैं

हरिभूमि न्यूज ▶▶ झज्जर

अपनी लंबित मांगों को लेकर जिले के सरकारी चिकित्सकों ने सुबह नौ बजे से ग्यारह बजे तक दो घंटे की पेन डाउन हड़ताल की। एचसीएमएस एसोशिएशन के आह्वान पर की गई इस हड़ताल के चलते नौ बजने के साथ ही अस्पताल के चिकित्सक अपना-अपना काम छोड़ कर अस्पताल के मुख्य गेट पर एकत्रित हो गए। यहां उन्होंने सरकार विरोधी लगाते हुए अपनी मांगों के लिए आवाज उठाई।

चिकित्सकों की पेन डाउन हड़ताल के कारण ओपीडी में आने वाले आम लोगों को भी परेशानी का सामना करना पड़ा। मरीज एक कमरे से दूसरे कमरे तक चिकित्सकों को तलाशते नजर आए। हालांकि इस दौरान सभी इमरजेंसी सेवाएं सुचारू रूप से चलती रहीं।

बता दें कि जिले में प्रतिदिन चार से पांच हजार लोग ओपीडी सेवाओं का लाभ उठाते हैं। दो घंटे की पेन डाउन हड़ताल के कारण यह आकंडा सोमवार को नाम मात्र रहा।

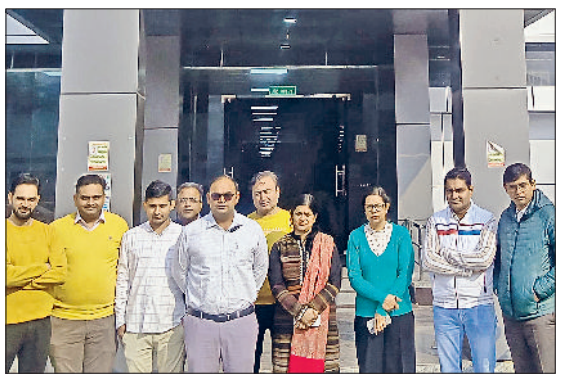

झज्जर। कमरे के बाहर खड़े होकर चिकित्सकों की राह देखते हुए मरीज व हड़ताल के दौरान अस्पताल के गेट पर उपस्थित चिकित्सक। फोटो : हरिभूमि

ये हैं प्रमुख मांगें

एचसीएमएस जिला प्रधान डॉक्टर आकृति ने बताया कि उनकी मांगों में एचसीएमएस कैडर में डायरेक्ट एसएमओ की सीधी भर्ती पर रोक लगाना, अप्रूव्ड मॉडिफाइड एसीपी स्ट्रक्चर के नोटिफिकेशन में देरी होना शामिल हैं। इसके अलावा प्रदेश के सिरसा व सोनीपत के दो चिकित्सकों को केवल लिंगानुपात कम होने के चलते सस्पेंड किया गया है जो कि गलत है। वे सरकार से संबंधित चिकित्सकों की तुरंत बहाली की मांग करते हैं। एचसीएमएस के वरिष्ठ उपप्रधान डॉक्टर मेजर पंकज ने बताया कि एसोसिएशन द्वारा एमरजेंसी सेवाओं को छोड़ कर वीरवार सुबह 9 से 11 बजे तक स्थानीय नागरिक अस्पताल के अलावा, नागरिक अस्पताल बहादुरगढ़, सीएमओ कार्यालय सहित सभी पीएचसी व सीएचसी के जिले भर के 180 चिकित्सकों द्वारा दो घंटे की पेन डाउन हड़ताल की गई है। उनकी सरकार से प्रार्थना है कि उनकी लंबित मांगों पर तुरंत प्रभाव से ध्यान दिया जाए अन्यथा मजबूरन उन्हें कड़ा कदम उठाना पड़ेगा। इस मौके पर डॉक्टर संदीप दलाल, डॉक्टर रितेश सांगवान, डॉक्टर प्रमिंद्र फौगाट, डॉक्टर अजय धनखड़, डॉक्टर अचल त्रिपाठी सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

बहादुरगढ़। हड़ताल के चलते खाली पड़ी डॉक्टर की कुर्सी। फोटो : हरिभूमि

बहादुरगढ़। काम छोड़कर हड़ताल पर बैठे डॉक्टर। फोटो : हरिभूमि

सीधी एसएमओ की भर्ती के विरोध में डॉक्टरों ने की हड़ताल

बहादुरगढ़। नागरिक अस्पताल में शुक्रवार सुबह डॉक्टरों ने स्वास्थ्य विभाग में एसएमओ की सीधी भर्ती के प्रस्ताव के विरोध में दो घंटे पेन डाउन हड़ताल की। हड़ताल के कारण सुबह 9 से 11 बजे तक ओपीडी सेवाएं बंद रहीं, जिससे मरीजों को लंबा इंतजार करना पड़ा। हालांकि आपातकालीन और लेबर रूम सेवाएं नियमित रूप से चलती रहीं। हरियाणा सिविल मेडिकल सर्विसेज एसोसिएशन के आह्वान पर प्रदेशभर के सरकारी अस्पतालों में डॉक्टरों ने विरोध दर्ज कराया। बहादुरगढ़ में अधिकांश डॉक्टर हड़ताल में शामिल हुए। उन्होंने कुर्सियों से दूर रहकर शांतिपूर्वक प्रदर्शन किया। डॉक्टरों का कहना है कि एसएमओ की सीधी भर्ती शुरू करने से वरिष्ठता आधारित प्रमोशन प्रभावित होंगे। उनका तर्क है कि 2012 के बाद से इस पद पर कोई सीधी भर्ती नहीं हुई है, ऐसे में अचानक प्रक्रिया शुरू करना उचित नहीं है। डॉक्टर मोडिफाइड एसीपी स्ट्रक्चर लागू करने की मांग भी लंबे समय से उठा रहे हैं। एचसीएमएसए के झज्जर महासचिव डॉ. पीयूष ने कहा कि सरकार पहले आश्वासन दे चुकी है कि एसएमओ की सीधी भर्ती नहीं होगी, लेकिन अब फिर प्रक्रिया आगे बढ़ाई जा रही है, जिससे प्रमोशन रुक जाएंगे। यदि मांग नहीं मानी गई तो आंदोलन तेज किया जाएगा। ओपीडी बंद रहने से दूर-दराज से आए मरीजों को काफी परेशानी झेलनी पड़ी। दो घंटे बाद हड़ताल खुली तो सेवाएं सुचारू हो पाई।

बहादुरगढ़। ओपीडी चालू होने का इंतजार करते पेशेंट। फोटो : हरिभूमि

ट्रेन की चपेट से श्रमिक की मौत

खेत मजदूर के तौर पर कार्य करता था मृतक संतोष कुमार यादव

हरिभूमि न्यूज ▶▶ झज्जर

गांव मदाना के नजदीक ट्रेन की चपेट में आने से एक प्रवासी श्रमिक की मौत हो गई। मृतक की पहचान बिहार के बनमनखी ह्रदयनगर जिला पूर्णिया निवासी करीब 29 वर्षीय संतोष कुमार यादव पुत्र रामबृक्ष यादव के तौर पर हुई है। मामले के जांच अधिकारी राकेश कुमार ने बताया कि उन्हें बुधवार की दोपहर करीब बारह बजे मदाना फाटक के नजदीक रेल लाइनों पर प्रवासी श्रमिक का शव पड़ा होने की सूचना मिली थी। सूचना पर कार्रवाई करते हुए वे मौके पर पहुंचे तथा वहां खड़े लोगों से मामले की जानकारी लेते हुए शव को कब्जे में लेकर उसे पोस्टमार्टम के लिए स्थानीय नागरिक अस्पताल के शवगृह भिजवाया। संतोष कुमार यादव बीते सिंतबर माह से यहां खेत मजदूर के तौर पर काम करने आया था। वह तब ही से मदाना क्षेत्र में रहकर धान की कटाई का कार्य कर रहा था। उसके साथियों ने बताया कि संतोष कुमार यादव आराम करने के लिए छुट्टी पर था इसी दौरान वह हादसे का शिकार हो गया।

जांच अधिकारी ने बताया कि मृतक के परिजनों को सूचित किया जा चुका है, उनके पहुंचने के बाद ही शव का पोस्टमार्टम कराया जाएगा।

झज्जर। घटनास्थल पर रेलवे लाइनों के बीच लोगों से जानकारी लेते हुए पुलिसकर्मी। फोटो : हरिभूमि

दंपति को डंडों से पीटा पत्नी का हाथ टूटा

बहादुरगढ़। गांव कुलासी में मकान में घुसकर एक दंपति पर डंडों से हमला कर दिया गया। हमले में पत्नी का हाथ टूट गया। पीड़ितों ने अपने ही कुणबे के सदस्यों पर मारपीट व धमकी देने का आरोप लगाया है। पुलिस ने मामले में जांच शुरू कर दी है। वारदात श्याम सिंह व उसकी पत्नी के साथ हुई है। श्याम सिंह सिंह का कहना है कि 23 नवंबर की रात को वह अपने घर में अपनी पत्नी से बात कर रहा था। इसी दौरान छत के रास्ते ताऊ का लड़का मंजीत आने लगा और बोला कि अपनी आवाज नीची कर ले। इस पर मैंने कहा कि मैं अपने घर में अपनी पत्नी से बात कर रहा हूं, तुझे क्या दिक्कत है। फिर वह हमारे घर के नीचे उतरा और दरवाजा खोल दिया। दरवाजा खोलते ही मनजीत की पत्नी डंडा लेकर घुस गई। उन्होंने हम हमला कर दिया। मारपीट के बाद चले गए।

बहादुरगढ़। पूर्व सैनिकों से मांगपत्र प्राप्त करते विधायक राजेश जून। फोटो : हरिभूमि

29.46 करोड़ की विकास परियोजनाओं को मंजूरी

बहादुरगढ़। इलाके में विकास को नई दिशा देने के लिए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने विधायक राजेश जून की मांग पर 29 करोड़ 46 लाख रुपये की महत्वपूर्ण परियोजनाओं को मंजूरी दे दी है। मंजूर किए गए कार्यों में सड़क निर्माण, स्मार्ट सुरक्षा सिस्टम और बुनियादी ढांचे को मजबूत करने पर विशेष जोर दिया गया है। विधायक राजेश जून ने मुख्यमंत्री का आभार जताते हुए कहा कि उनके मार्गदर्शन और सहयोग से बहादुरगढ़ तेज गति से प्रगति कर रहा है। उन्होंने बताया कि सेक्टर-6, सेक्टर-9 और 9A के साथ-साथ सेक्टर-2 में कुल 17 करोड़ 46 लाख रुपये की लागत से व्यापक सड़क निर्माण तथा सुधार कार्य किए जाएंगे। इसके अतिरिक्त, 12 करोड़ रुपये की लागत से पूरे शहर में हाईटेक सुरक्षा प्रणाली तैयार की जाएगी। विधायक राजेश जून ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में बहादुरगढ़ लगातार नए विकास मानक स्थापित कर रहा है। विधायक ने अपने कार्यालय में लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनी और मांगपत्र भी लिए।

परिजनों ने व्यवस्था पर उठाए सवाल

परिवार में शादी समारोह के चलते वीरवार को कर दी गई अमन की रस्म तेरहवीं

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

बास्केट बॉल प्लेयर अमन की मौत के बाद परिवार गहरे सदमे में है और परिजनों ने व्यवस्था पर सवाल उठाए। उनमें पीजीआई रोहतक में बरती गई लापरवाही पर भी रोष बना हुआ है। चूंकि 30 नवंबर को परिवार में शादी है तो इसलिए वीरवार को अमन की रस्म तेरहवीं कर दी गई।

अमन की मौत के बाद से उसके माता, पिता की आंखों से आंसू बंद नहीं हो रहे। मुख्यमंत्री नायब सैनी द्वारा घोषित पांच लाख रुपये की राहत राशि पर भी पिता सुरेश ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि उनका बेटा छिन गया है, ऐसे में इस रकम का कोई अर्थ नहीं। उन्होंने हादसे और इलाज में देरी के लिए जिम्मेदार लोगों पर कड़ी कानूनी कार्रवाई की मांग उठाई। अमन के पिता सुरेश ने बताया कि रविवार दोपहर 3:57 बजे हादसे की सूचना के बाद वे तुरंत ट्रॉमा सेंटर पहुंचे, जहां से अमन को रोहतक पीजीआई रेफर कर दिया गया। वे शाम 5 से सवा पांच बजे के बीच पीजीआई पहुंच गए थे। लेकिन रिकॉर्ड में उनकी एंट्री 8 बजे दिखाई गई, ताकि लापरवाही छिपाई जा सके। अल्ट्रासाउंड के लिए भेजने के बाद वे डॉक्टर का आधा घंटे से अधिक इंतजार करते रहे। इसी देरी में अमन के पेट में खून का अत्यधिक रिसाव हो गया और उसका शरीर ठंडा पड़ने लगा।

सुरेश के अनुसार, जब उन्होंने इलाज को लेकर सवाल उठाए तो स्टाफ ने उल्टा पुलिस बुला ली। बाद में अधिकारियों को सूचना देने पर एसपी मौके पर पहुंचे, तब जाकर डॉक्टरों ने अमन को देखा, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। उन्होंने आरोप लगाया कि पीजीआई ने अपनी गलती दबाने के लिए अमन को दो दिन वेंटिलेटर पर दिखाया, 12 बोतल खून और प्लाज़्मा लिया और फिर उसे मृत घोषित किया। परिवार का कहना है कि डॉक्टर अब फोन कर मामले को सेटल करने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन हम किसी भी प्रकार के समझौते के लिए तैयार नहीं हैं।

बहादुरगढ़। खिलाड़ी अमन को श्रद्धांजलि अर्पित करती चेयरपर्सन सरोज राठी। फोटो : हरिभूमि

एफआईआर व कानूनी कार्रवाई की तैयारी

स्टेडियम शिक्षा विभाग के अधीन है, जबकि खेल विभाग की कुश्ती नर्सरी भी यहां संचालित होती है। चर्चा है कि करीब 13 वर्ष पहले नगर परिषद ने बास्केटबॉल पोल लगवाए थे, लेकिन रिकॉर्ड में इसका स्पष्ट उल्लेख नहीं। न ही यह तय है कि इनकी नियमित देखरेख की जिम्मेदारी किस विभाग की थी। जब तक यह तथ्य सामने नहीं आता, जिम्मेदारी और जवाबदेही तय होना मुश्किल है। प्रशासन की ओर से इस दिशा में अभी तक कोई ठोस पहल न होने से परिवार अब लिखित शिकायत देकर एफआईआर और कानूनी कार्रवाई की तैयारी कर रहा है।

नप चेयरपर्सन दी श्रद्धांजलि

अमन को मंगलवार को मृत घोषित किया गया था, लेकिन अंतिम संस्कार से लेकर तेरहवीं तक सरकार या प्रशासन का कोई प्रतिनिधि परिवार से मिलने नहीं पहुंचा। तेरहवीं के दिन लोकसभा सांसद दीपेंद्र हुड्डा ने फोन पर बात कर सहायता का आश्वासन दिया। पूर्व चेयरमैन रवि खत्री ने यह बातचीत करवाने में सहयोग किया। नगर परिषद चेयरपर्सन सरोज राठी भी पहुंचीं, जहां उन्होंने श्रद्धांजलि अर्पित कर कहा कि यह राजनीति का विषय नहीं, मंथन का विषय है। इस मामले में निष्पक्ष जांच के साथ कड़ी कार्रवाई होगी, जिम्मेदारों को बख्शा नहीं जाएगा। इसके साथ ही शहर के सभी पार्कों और खेल मैदानों के उपकरणों की जांच करवाई जाएगी।

अमन की मृत्यु पर दुख जताया

बास्केट बॉल प्लेयर अमन की मौत पर ग्रेपलिंग कमेटी ऑफ इंडिया के महासचिव बिरजू शर्मा ने गहरा दुख व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि अमन की मौत खेल उपकरणों की बदहाली और सुरक्षा व्यवस्था की अनदेखी का दर्दनाक नतीजा है। बिरजू शर्मा ने प्रशासन पर सवाल उठाते हुए कहा कि स्टेडियम में खिलाड़ियों की सुरक्षा को लेकर गंभीर लापरवाही बरती जा रही है। अगर जर्जर पोल की स्थिति पहले से ज्ञात थी, तो उन्हें क्यों नहीं बदला गया? आखिर कब तक खिलाड़ी जान गंवाते रहेंगे? उन्होंने खेल मैदानों में पुराने और असुरक्षित उपकरणों को तुरंत बदलने तथा सुरक्षा मानकों को सख्ती से लागू करने की मांग की। शर्मा ने कहा कि यह हादसा खेल व्यवस्था पर एक बड़ा प्रश्नचिह्न है और इसकी जिम्मेदारी तय होनी चाहिए।

सप्ताह में एक दिन नहीं चलेगी अवध-असम एक्सप्रेस

धुंध की दस्तक से पहले ही दो ट्रेनें 28 फरवरी तक रद

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

घना कोहरा अभी शुरू भी नहीं हुआ, लेकिन रेल विभाग ने जींद-दिल्ली रेलमार्ग पर यात्रियों की सुविधा में कटौती शुरू कर दी है। आगामी एक दिसंबर से 28 फरवरी 2026 तक दो सवारी गाड़ियां पूरी तरह रद रहेंगी, जबकि अवध-असम एक्सप्रेस भी सप्ताह में एक दिन नहीं चलेगी। अचानक लिए गए इस फैसले से हजारों यात्रियों की परेशानी बढ़नी तय है।

रेलवे के आदेश अनुसार, गाड़ी नंबर 54031 दिल्ली-जींद सवारी गाड़ी और 54034 जींद–दिल्ली सवारी गाड़ी को 28 फरवरी 2026 तक रद कर दिया गया है। गाड़ी संख्या 54031 दिल्ली से सुबह 11 बजकर 40 मिनट पर चलकर 12:46 बजे बहादुरगढ़ और एक बजकर 44 मिनट पर रोहतक पहुंचती थी। वहीं, 54034 जींद से शाम तीन बजकर 50 मिनट चलकर चार बजकर 56 मिनट पर रोहतक और करीब छह बजे बहादुरगढ़ पहुंचती थी। इसके अलावा, लंबी दूरी की गाड़ी नंबर 15909 अवध-असम एक्सप्रेस डिब्रूगढ़-लालगढ़ और 15910 लालगढ़-डिब्रूगढ़ जो दिल्ली-बहादुरगढ़ और रोहतक के रास्ते चलती हैं। यह सप्ताह में एक दिन रद रहेगी। यह व्यवस्था मार्च 2026 तक लागू रहेगी।

रेल विभाग से निर्णय पर पुनर्विचार की अपील

दिल्ली-रोहतक दैनिक रेल यात्री समिति के प्रवक्ता सतपाल हाड़ा ने कहा कि इस मार्ग पर पहले ही सवारी गाड़ियां यात्रियों की संख्या के मुकाबले काफी कम हैं। ऐसे में और ट्रेनें रद करना अनुचित है। विभाग को यात्री सुविधाओं में कटौती के बजाय बढ़ोतरी करनी चाहिए। उन्होंने मांग की कि गाड़ी नंबर 54424 हिसार-नई दिल्ली सवारी गाड़ी में कम से कम आठ अतिरिक्त डिब्बे जोड़े जाएं। यह ट्रेन सुबह नई दिल्ली स्थित दफ्तरों में आने-जाने वाले कर्मचारियों के लिए बेहद महत्वपूर्ण है और यात्री इस समय भारी भीड़ के बीच बड़ी मुश्किल से यात्रा पूरी कर पाते हैं। यात्रियों की परेशानी को देखते हुए समिति ने रेल विभाग से निर्णय पर पुनर्विचार की अपील की है।

आर्मी के कैंप का हवाला देकर दूध एजेंसी संचालक से सवा दो लाख ठगे

बहादुरगढ़। साइबर ठगी की वारदात लगातार बढ़ रही हैं। लोगों को ठगने के लिए साइबर ठग सेना के नाम का भी इस्तेमाल कर रहे हैं। बहादुरगढ़ में ऐसी ही एक और वारदात हुई है। यहां सेना के कैंप का हवाला देकर शातिरों ने एक दूध एजेंसी संचालक को करीब सवार दो लाख रुपये की चपत लगा दी। वारदात हरिओम के साथ हुई है। लाइनपार के शंकर गार्डन के निवासी हरिओम का कहना है कि उसके पास अमूल दूध की एजेंसी है। करीब दो सप्ताह पहले उसके बेटे नितिन के मोबाइल पर एक कॉल आई। कॉलर ने बेटे से कहा कि वह आर्मी कैंप से बोल रहा है। उन्होंने पीडीएम कॉलेज के पास दो महीने के लिए कैंप लगाया है। हमें प्रतिदिन दूध और दही चाहिए, जिसकी पेमेंट हम 15 दिन पहले एडवांस कर देंगे। यह बात बेटे ने मुझे बताई तो आर्मी का जिक्र आने पर मैंने हां कर दी। अगले ही दिन फिर कॉल आई और कहा कि आज ही दूध भेज दीजिए। हम ऑनलाइन पेमेंट करेंगे, आप अपना बार कोड भेज दो। जैसे ही उनके पास बार कोड भेजा तो कॉलर ने कहा कि हमने अपना अकाउंट डाल दिया है, अपना फोन पे का पासवार्ड भेज दो। विश्वास कर पासवर्ड भेजा तो मोबाइल हैक हो गया। इसके बाद फोन रिस्टार्ट किया तो देखा कि खातों से कई बार करके दो लाख 26 हजार 800 रुपये निकल चुके थे। फिर बेटी से कहकर ऑनलाइन शिकायत दर्ज कराई। अब साइबर थाना में केस दर्ज हो सका है। पुलिस का कहना है कि जांच की जा रही है। आम नागरिकों से भी पुलिस ने सतर्क रहने की अपील की है।

दुनिया के ऊंचे-ऊंचे खूबसूरत पर्वत-शिखर

बच्चो, पहाड़ यानी माउंटेन हमारी पृथ्वी पर मौजूद विशाल, प्राकृतिक रूप से उठी हुई भौगोलिक संरचना होती है। ये हजारों लाखों साल से स्थिर खड़े हैं। दुनिया में एक से बढ़कर एक ऊंचे और खूबसूरत पहाड़ मौजूद हैं। जानो ऐसे ही कुछ खूबसूरत-ऊंचे पहाड़ों और पर्वत चोटियों के बारे में।

जानकारी
शिखर चंद जैन

बच्चो, आसमान को चूमते, बादलों को सहलाते हुए से ऊंचे-ऊंचे पहाड़ बहुत खूबसूरत ही नहीं आश्चर्यजनक भी लगते हैं। इनके बर्फीले शिखर, हरी-भरी वादियों से सजी चढ़ाई और बेशुमार पेड़-पौधों से ढंकी घाटियां, हर किसी का मन मोह लेती हैं। यहां तुम्हें दुनिया के कुछ खूबसूरत-ऊंचे पर्वत शिखरों के बारे में बता रहे हैं।

सर्वोच्च पर्वत शिखर माउंट एवरेस्ट, हिमालयः माउंट एवरेस्ट दुनिया का सबसे ऊंचा पर्वत शिखर है। इसकी ऊंचाई लगभग 8,848.86 मीटर (29,031.7 फीट) है। नेपाल और चीन की सीमा पर स्थित हिमालय के इस पर्वत शिखर को 'पृथ्वी का तीसरा ध्रुव' भी कहा जाता है। माउंट एवरेस्ट हिमालय पर्वत श्रंखला का हिस्सा है। इसे नेपाली में 'सागरमाथा' कहते हैं, जिसका अर्थ 'आकाश की देवी' है। तिब्बती भाषा में इसे 'चोमोलुंगमा' नाम से पुकारा जाता है, जिसका अर्थ है 'विश्व की देवी मां'। इसकी बर्फ से ढंकी चोटियां सूरज की रोशनी में जब चमकती हैं तो दूर से देखने पर किसी रत्नजड़ित सफेद मुकुट-सी दिखती हैं। अपनी ऊंचाई और खूबसूरती के कारण माउंट एवरेस्ट पर्यटकों और पर्वतारोहियों के आकर्षण का केंद्र हमेशा से रहा है।

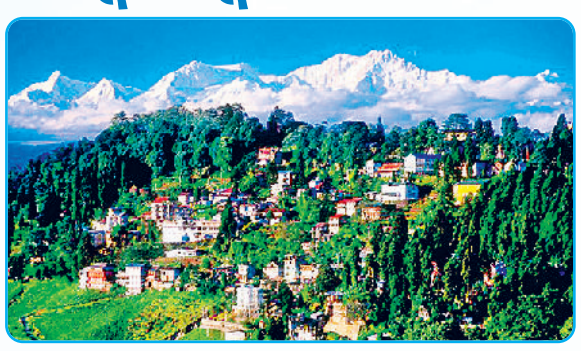
भारत की सर्वोच्च और दुनिया की तीसरी सबसे ऊंची पर्वत चोटी कंचनजंगा

खतरनाक चढ़ाई वाला के2-गॉडविन ऑस्टेन, काराकोरमः पाकिस्तान और चीन की सीमा पर स्थित के2 दुनिया की दूसरी सबसे ऊंची पर्वत चोटी है। इसकी ऊंचाई लगभग 8,611 मीटर (28,251 फीट) है। यह अपनी सुंदरता के लिए जितना जाना जाता है, उतना ही अपनी खतरनाक चढ़ाई के लिए भी। इसे 'सेवेज माउंटेन' भी कहा जाता है। के2 की चोटी एक पिरामिड जैसी दिखती है और यह काराकोरम रेंज में स्थित है। इसके चारों ओर ग्लेशियर और बंजर जमीन का नजारा इसे दुनिया के अन्य पर्वत श्रंखलाओं से अलग रूप प्रदान करता है। पाकिस्तान में विशाल बाल्टोरो ग्लेशियर पर चढ़कर इसके आधार तक पहुंचने के क्रम में यह कई मील दूर से दिखाई देता है। जैसे-जैसे पर्वतारोही इसके करीब पहुंचते हैं, यह पर्वत और भी अद्भुत और खूबसूरत नजर आता है।

आसान नहीं के2-गॉडविन ऑस्टेन पर चढ़ाई करना

भारत की सर्वोच्च पर्वत चोटी कंचनजंगा, हिमालयः भारत और नेपाल की सीमा पर स्थित कंचनजंगा भारत की सबसे ऊंची पर्वत चोटी और दुनिया की तीसरी सबसे ऊंची चोटी है। इसकी ऊंचाई लगभग 8,586 मीटर (28,169 फीट) है। इसका नाम तिब्बती मूल के चार शब्दों 'कांग-चेन-जो-नगा' से मिलकर बना है, जिसका अर्थ है 'महान हिम की पांच निधियां।' ऐसा माना जाता है कि इसमें सोना, चांदी, रत्न, अनाज और पवित्र पुस्तकें छिपी हुई हैं। यह पहाड़ अपनी बदलती रंगत के लिए जाना जाता है, सुबह और शाम के समय, सूरज की किरणें इसकी चोटियों को गुलाबी, नारंगी और सुनहरे रंगों से रंग देती हैं, जो देखने में बहुत ही जादुई लगता है।

पिरामिड जैसा पहाड़ मैटरहॉर्न, आल्प्सः स्विट्जरलैंड और इटली की सीमा पर स्थित मैटरहॉर्न, आल्प्स पर्वत का एक हिस्सा है। इसकी ऊंचाई लगभग 4,478 मीटर (14,692 फीट) है। इसकी चोटी एक नुकीले पिरामिड की तरह दिखती है, बिल्कुल वैसा ही जैसा तुम बच्चे ड्रॉइंग में माउंटेन बनाते हो। इसकी आकृति चारों तरफ से पिरामिड की तरह ही दिखती है, जो इसे और भी अट्रैक्टिव बनाता है। स्विट्जरलैंड के जर्मेट गांव से अगर इस पहाड़ को देखा जाए तो इसका नजारा किसी पहाड़ की पेंटिंग जैसा खूबसूरत लगता है। इसकी खूबसूरती को देखने दुनिया भर के पर्यटक और प्रकृतिप्रेमी इसके करीब आते हैं।

अत्यधिक खूबसूरत नजर आता है मैटरहॉर्न

सुप्त ज्वालामुखी पर्वत किलिमंजारोः तंजानिया में स्थित किलिमंजारो की ऊंचाई लगभग 5,895 मीटर (19,341 फीट) है। यह अफ्रीका का सबसे ऊंचा पर्वत है, जो वास्तव में एक विशाल सुप्त ज्वालामुखी है। इसकी चोटी पर हमेशा बर्फ जमी रहती है। यह अपनी चोटी पर मौजूद ग्लेशियरों के लिए प्रसिद्ध है, जबकि इसके चारों ओर गर्म अफ्रीकी मैदान हैं। हेलीकॉप्टर से किलिमंजारो के क्रेटर (ज्वालामुखी का मुंह) और ग्लेशियरों का नजारा बेहद खूबसूरत दिखता है। *

अफ्रीका का सर्वोच्च पर्वत किलिमंजारो

टियरगार्टन शॉनब्रुन जू, ऑस्ट्रिया

कैसे होते थे दुनिया के शुरुआती चिड़ियाघर

बच्चो, जू यानी चिड़ियाघर एक ऐसी जगह होती है, जहां तुम एक ही बाउंड्री के भीतर तरह-तरह के एनिमल्स और बड्र्स देख सकते हो। क्या तुम जानते हो कि दुनिया का पहला जू कैसा था या शुरुआती चिड़ियाघर कैसे होते थे?

रोचक
नयनतारा

बच्चो, अगर तुम्हें वाइल्ड लाइफ यानी जंगली जीव-जंतुओं को देखने, उनके बारे में जानने में इंटरेस्ट है तो तुम अपने शहर या आस-पास के किसी शहर में जू यानी चिड़ियाघर जरूर घूमने गए होगे। जू में तुम ऐसे अनेक जंगली और दुर्लभ जानवरों को एकदम सामने से देख सकते हो, जिन्हें तुमने किताबों में या टीवी पर देखा होगा। लेकिन क्या तुम जानते हो दुनिया में इस तरह जू बनाने की शुरुआत कब और किसने की थी? आओ इस बारे में जानते हैं।

पहला जू था-इंटेलिजेंस पार्कः बच्चो, लगभग 3000 साल पहले एक चीनी बादशाह अपने राज्य में एक स्थान पर कई तरह के जानवरों को रखता था, जिसे वह 'इंटेलिजेंस पार्क' कहता था। उस चीनी राजा के कलेक्शन में जीवित जानवर ही थे या मृत, इसका प्रमाण नहीं मिलता है। ज्यादातर लोगों का यही मानना है कि वह राजा, जानवरों का अध्ययन करने के लिए और उनकी आदतें जानने के लिए उनको पालता था। इस लिहाज से देखा जाए तो शायद वही संसार का पहला जू था। आज भी जू में वाइल्ड एनिमल्स, बड्र्स व रेप्टाइल्स (रेंगने वाले जीव) रखे जाते हैं, ताकि लोग उन्हें देखें-जानें और वैज्ञानिक उनका अध्ययन कर सकें।

मनोरंजन का साधन थे पर्सनल जूः समय बीतने के साथ गांव और शहर बड़े होते गए तो कुछ लोग जंगली जानवरों का शिकार कर या उन्हें कैदकर अपने घरों में लाकर रखते थे। लोग जंगली जानवरों को अकसर अपने पास पालते थे ताकि दिखाया जा सके कि वह कितने रईस और शक्तिशाली हैं। ऐसे लोग कभी-कभार लोगों को परमिशन देते थे ताकि लोग आकर उनके जानवरों का कलेक्शन देख सकें।

पब्लिक जू बनाने की शुरुआतः यूरोप में 9वीं शताब्दी की शुरुआत से ही पब्लिक जू बनने लगे थे। अगले 700 से 800 वर्षों के दौरान संसार के बड़े शहरों में कई सारे पब्लिक जू का निर्माण किया गया। वैसे, ऑस्ट्रिया के वियना में स्थित टियरगार्टन शॉनब्रुन को दुनिया का पहला आधुनिक चिड़ियाघर माना जाता है। यूनेस्को के विश्व धरोहर सूची में शामिल यह चिड़ियाघर आज भी संचालित है। जहां तक संसार के सबसे बड़े और मशहूर चिड़ियाघरों की बात है तो इनमें टोरंटो जू (कनाडा), मॉस्को जू (रूस), सैन डिएगो जू (यूएसए), लंदन जू (इंग्लैंड), वेस्ट बर्लिन जू (जर्मनी) आदि शामिल हैं। *

तुम्हारे लिए नई किताब / विज्ञान भूषण

समझदार बनाती कहानियां

बच्चो, हाल में बाल कहानियों की एक किताब 'बाल सभा पार्क एवं अन्य बाल कहानियां' छपकर आई है। इसमें कुल जमा 27 कहानियां हैं। ये कहानियां हैं तो छोटी लेकिन इसमें तुम्हें समझदार इंसान बनने के लिए सरल ढंग से कई बड़ी बातें सीखने को मिल सकती हैं। किताब की शीर्षक कहानी 'बाल सभा पार्क' में तुम पढ़ोगे कि कैसे समझदार बच्चा अनुभव, अपनी युक्ति से कॉलोनी के पार्क को साफ-सुथरा करके खेलने योग्य बना देता है। 'ऐसे उतरा रील का भूत' में टिंकू की रील बनाने की आदत कैसे छूटती है, यह पढ़ सकते हो तो 'इम्यूनिटी से मुलाकात' में तुम पढ़ोगे कि अवि को कैसे समझ में आता है कि इम्यूनिटी मजबूत बनाने के लिए क्या करना चाहिए? इसी तरह संग्रह की अन्य कहानियां पढ़कर तुमको यह भी महसूस होगा कि भले ही तुम अभी छोटे हो लेकिन अगर चाहो और सही दिशा में प्रयास करो तो बड़े बदलाव ला सकते हो। साथ ही दूसरों को भी ऐसा करने के लिए प्रेरित कर सकते हो। *

किताबः बाल सभा पार्क एवं अन्य बाल कहानियां, **लेखकः** शिखर चंद जैन, **मूल्यः** 300 रुपए, **प्रकाशकः** प्रखर गूंज पब्लिकेशन, दिल्ली

कविता / गिरिजा कुलश्रेष्ठ

मोती ये कैसे हैं

बड़े सबेरे मुनियां रानी
मां को लगी जगाने।
देखो हरी घास पर बिखरे
मोती बड़े सुहाने।
मां ये मोती कितने सुंदर,
चमचम चमक रहे हैं।
सूरज की लाली में कैसे,
दमदम दमक रहे हैं।
रातों-रात भला किसने,
ये मोती यूं बिखराए।
इससे पहले कोई और
इन्हें चुनकर ले जाए,
मैं ही चुन लूं क्यों न इन्हें
मां, अपना हार बनाने,
गुड़िया को भी माला कंगन,
बना-बना पहनाने।
कुछ तुम भी अपनी चुनरी में
टांक सजा लेना मां,
जूड़े की पिन में ये मोती
खूब लगा लेना मां।
मुनियां मोती चुनने आई,
हंस कर और हुलस कर।
पर मोती कैसे थे जो,
छूते ही गिरे पिघल कर।

नन्हे-मुन्नों के लिए कहानी
पुष्पा अंताणी

टिंकू ने घर में टंगी एक तस्वीर में समंदर में चलने वाला पानी का जहाज देखा। उसका मन हुआ, वह समुद्री जहाज में बैठकर सैर करे। टिंकू ने तुरंत समुद्री जहाज की व्यवस्था की। उसने स्वयं तो सैर की ही, अपने खिलौनों को भी सैर कराई। बच्चो, है ना अजीब बात! टिंकू के घर में कहां से आ गया समुद्र और समुद्री जहाज?

जहाज में सवारी

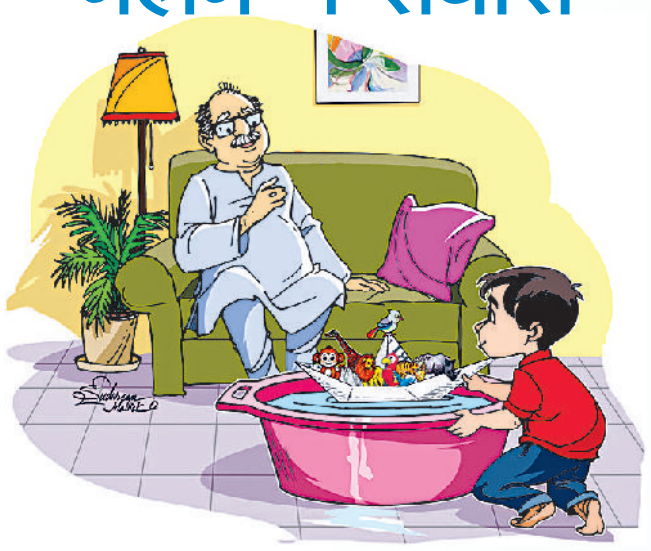

नन्हा-सा टिंकू अपनी मम्मी के पास बैठकर दूध पी रहा था। उसकी नजर दीवार पर टंगी एक तस्वीर पर पड़ी। दूध का घूंट पीते हुए उसने तस्वीर की ओर इशारा करते हुए पूछा, 'मम्मी, यह क्या है?'

'यह पानी का जहाज है।' मम्मी ने बताया। 'मम्मी, क्या पानी का जहाज समंदर में चलता है?' टिंकू ने पूछा।

'हां, बेटा।' मम्मी बोलीं।

'मुझे समंदर बहुत पसंद है, मम्मी। मुझे जहाज में बैठना है।' टिंकू मचलते हुए बोला। 'बेटा, तुम अभी बहुत छोटे हो, बड़े हो जाओ तब जहाज में बैठना।' मम्मी ने दूध का गिलास नीचे रखते हुए समझाया। 'मम्मी, क्या बड़ा होने में ज्यादा समय लगता है?' टिंकू ने नया सवाल किया। 'नहीं रे, तुम तो अच्छे बच्चे की तरह दूध पी लेते हो। तुम जल्दी बड़े हो जाओगे। अब जाओ, अपने खिलौनों से खेलो।' मम्मी टिंकू के गाल पर प्यार से चपत मारते हुए बोलीं। टिंकू ने प्लास्टिक की थैली से अपने सारे खिलौने बाहर निकाले। उसके पापा कल ही छोटे-छोटे खिलौने लाए थे। तोता, चिड़िया, बंदर, मोर, बाघ, जिराफ, गैंडा, शेर जैसे कई जानवर और पक्षी थे। टिंकू खुशी से अपने इन नए दोस्तों को देख रहा था। उसे लगा कि वे सब उसे कह रहे हैं, 'हमें जहाज में बैठना है।' सबका एक साथ शोर सुनाई दिया। टिंकू अपने कानों पर हाथ रखते हुए बोला, 'शांत हो जाओ सब! मैं तुम सबको जहाज में बिठाऊंगा।' तभी दादाजी सैर करके घर में आए। टिंकू उनके पास भागकर आया। दादाजी के हाथ में एक बड़ा कागज देते हुए बोला, 'दादाजी, इस कागज से मेरे लिए एक बड़ी-सी बोट बना दो ना! बहुत बड़ी बोट।' दादाजी बोट बनाने लगे। टिंकू बाथरूम में गया, वहां से एक टब ले आया। उसमें पानी भरा। दादाजी ने बोट बनाकर टिंकू को दे दी। टिंकू ने बोट अपने खिलौनों को दिखाई। 'देखो, यह है हमारा जहाज।' उसने खिलौनों को टब में भरा पानी दिखाया और बोला, 'यहां है समंदर... चलो, सब तैयार हो जाओ। मैं तुम सब को जहाज में घुमाने ले जाऊंगा। रास्ते में खाने के लिए नाश्ता भी ले आता हूं।'

टिंकू मम्मी के पास जाकर सेव, मुरमुरे, चॉकलेट, बिस्कुट, बेर वगैरह ले आया। सब कुछ नाश्ते के डिब्बे में रख दिया फिर बोट को टब के पानी में उतारा। उसमें सब खिलौने को अच्छी तरह से बैठा दिया। टिंकू अपनी एक अंगुली से कागज की बोट को हल्का-हल्का धक्का मारने लगा। टब के पानी में गोल-गोल घुमाने लगा। टिंकू को लगा कि उसके सब दोस्त बहुत खुश हैं, नाच रहे हैं। उसने टब को थोड़ा धक्का मारा। पानी थोड़ा उछला। खिलौने भी एक-दूसरे पर गिरे। टिंकू ने खिलौनों को सावधान किया, 'शरारत मत करो। अभी समंदर थोड़ा तूफानी है। सब अपनी जगह बैठे रहो।'

टिंकू को लगा कि उसकी बात सुनकर सब खिलौने जरूरत से ज्यादा शांत हो गए हैं। इसलिए वह बोला, 'अब डरने की कोई बात नहीं है। समंदर शांत हो गया है।' सब खुश हो गए। टिंकू ने बोट के छह-सात चक्कर लगाने के बाद उसे रोक दिया और बोला, 'तुम सबको भूख लगी होगी ना, चलो, थोड़ा नाश्ता खा लो।'

टिंकू ने सब खिलौने बोट से बाहर निकाले और बोला, 'संभल कर उतरना, किसी का पैर फिसला तो सीधे समंदर में गिरोगे। यहां समंदर काफी गहरा है।' टिंकू ने सभी खिलौने के सामने नाश्ता रखा। उसने भी नाश्ता किया। थोड़ी देर सब ने आराम किया। फिर टिंकू बोला, 'चलो, अब वापस लौटने का समय हो गया है।' सभी दोस्तों को फिर से बोट में बिठा दिया। बोट को उल्टी दिशा में चलाने लगा। थोड़े चक्कर लगाने के बाद वह बोला, 'वापस आ गए।' टिंकू ने देखा कि उसके सब दोस्त बहुत खुश हैं। हर कोई मानो उसे कह रहा हो, 'वाह, टिंकू भैया! जहाज में बैठने और घूमने में बड़ा मजा आया। आपका बहुत-बहुत धन्यवाद!'

टिंकू सारे खिलौनों को प्लास्टिक की थैली में वापस डालते हुए बोला, 'जब मैं बड़ा हो जाऊंगा, तब एक बड़े और सचमुच के जहाज में बैठूंगा और बड़े समंदर में घूमने जाऊंगा।' टिंकू आज बहुत खुश था। *

गुजराती से अनुवादः सेतु अंताणी

बूझो तो जानें

1 घर की रखवाली करता है,
वफादार कहलाता।
है मशहूर नींद इसकी तो,
देखें कौन बताता।।

2 गोलमटोल मगर छोटा सिर,
रंग है हल्का पीला।
काले धब्बे दिखते तन पर,
लेकिन खूब सजीला।।

3 'मामा' कहकर इसे बुलाते,
रंग सुनहरा भूरा।
पेड़ों की डाली पर बैठा,
करता सबको घूरा।।

- डॉ. घमंडीलाल अग्रवाल

उत्तर: 1.कुत्ता, 2.चीता, 3. बंदर

जीके क्विज-181

1. वर्ल्ड बॉक्सिंग चैंपियनशिप फाइनल में पहला स्वर्ण पदक किस भारतीय खिलाड़ी ने जीता?
2. मिस यूनिवर्स-2025 का खिताब किसने जीता?
3. एशियाई विकास बैंक का मुख्यालय किस देश में स्थित है?
4. बटरफ्लाई शब्द का संबंध किस खेल से है?
5. कौन-सा रंग रेनबो के बीच में दिखाई देता है?
6. जीवाणु (बैक्टीरिया) की खोज किसने की थी?
7. कंचनजंघा राष्ट्रीय उद्यान किस राज्य में स्थित है?
8. 'लोकनायक' के नाम से किसे जाना जाता है?
9. बल का मात्रक क्या है?
10. भारत का दक्षिणतम बिंदु किस नाम से जाना जाता है?

बच्चो, जीके क्विज-181 का उत्तर बालभूमि के अगले अंक में प्रकाशित किया जाएगा। सही जवाब देने वाले बच्चों के नाम भी प्रकाशित किए जाएंगे। तुम अपने जवाब हमें **balbhoomihb@gmail.com** पर मेल कर सकते हो।

जीके क्विज-180 का उत्तर : 1.डेविड स्जेले, 2.नई दिल्ली, 3.नीतीश कुमार, 4.लखनऊ, 5.लॉर्ड डलहौजी, 6.नारायण पंडित, 7.विटामिन-ए, 8.सूर्य, 9.इंफाल, 10.तमिलनाडु

जीके क्विज-180 का सही उत्तर देने वाले : कबीर-हिसार, ओमदेव-मुंगेली, मान्या-दिल्ली, रमेश-बैकुंठपुर, दीपक-ईमेल से, हितेश-रायपुर, सौरभ-बिलासपुर, आंचल-दुर्ग, रोहन-महेंद्रगढ़, अंकित-रोहतक, आकाश-राजनांदगांव

रंग भरो-190

रंग भरो-190 में दिए गए चित्र को तुम लोगों ने बहुत अच्छे से रंगकर हमें भेजा। उनमें से चुना गया सबसे अच्छा चित्र हम यहां प्रकाशित कर रहे हैं। उसे रंगकर भेजने वाले बच्चे के चित्र के साथ कुछ अन्य बच्चों के नाम और चित्र भी प्रकाशित कर रहे हैं।

रितेश, मटियारी

आशना, जांजगीर

भव्य, धमतरी

माही, महासमुंद

फरहान, धमतरी

काव्या, रायपुर

इनके भी चित्र रहे प्रशंसनीय

आद्या-उमरिया, प्रियंका-रायपुर, प्रवीण-भोपाल, किंशुक-रोहतक, लोकेश-जबलपुर, नीरज-महासमुंद, यश-रायगढ़, खुशी-भिवानी, रोशन-जांजगीर, कविता-कटनी, हितेश-दिल्ली, राकेश-धमतरी, अंकित-गुना, तुषार-करनाल, अमन-बिलासपुर, आकाश-कोरबा

रंग भरो 191

बच्चो, यहां पेंटिंग बना रही लड़की टीना का एक ब्लैक एंड व्हाइट चित्र दिया गया है। तुम इस चित्र को मनचाहे रंगों से रंग कर हमें भेजो। जिस बच्चे का चित्र सर्वश्रेष्ठ होगा, उसे हम बालभूमि में प्रकाशित करेंगे। चित्र के साथ अपनी फोटो, अपना और शहर का नाम हमें इस पते पर भेजो- संपादक - फीचर, हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सेंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली- 110035 या ई-मेल आईडी balbhoomi-hb@gmail.com पर मेल करो।

खबर संक्षेप

गीता जयंती महोत्सव में लगेगी विभागीय प्रदर्शनी

झज्जर। महर्षि दयानंद सरस्वती स्टेडियम में शनिवार से आयोजित होने वाले तीन दिवसीय गीता महोत्सव में विभिन्न विभागों, सामाजिक संस्थाओं और स्वयं सहायता समूहों की भव्य प्रदर्शनी मुख्य आकर्षण रहेगी। इन प्रदर्शनियों में गीता जयंती से जुड़े आध्यात्मिक पहलुओं के साथ-साथ सरकारी योजनाओं, सामाजिक जागरूकता और स्थानीय कौशल की झलक भी देखने को मिलेगी। डीसी स्वप्निल रविंद्र पाटिल ने कहा कि गीता महोत्सव ज्ञान, कला और सामाजिक सहभागिता का बड़ा मंच है। इस बार प्रदर्शनी में महिला एवं बाल विकास, स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि, आयुष, आपदा प्रबंधन, पुलिस सहित कई विभाग अपनी-अपनी थीम आधारित झांकियों और मॉडलों के माध्यम से जन-जागरूकता का संदेश देंगे। सामाजिक संगठनों एवं एनजीओ द्वारा भी गीता से प्रेरित गतिविधियों और समाजोपयोगी पहलुओं को प्रदर्शित किया जाएगा। महोत्सव स्थल पर एक आकर्षक क्राफ्ट मेला भी लगाया जाएगा, जिसमें स्थानीय कारीगर, हस्तशिल्पी व स्वयं सहायता समूह अपने बनाए हुए उत्पादों की प्रदर्शनी करेंगे। इसके अलावा महोत्सव में विद्यार्थियों की भागीदारी भी विशेष रूप से दिखाई देगी।

राजकीय स्नातकोत्तर नेहरू महाविद्यालय की 65वीं वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिताओं का हुआ आगाज

चार सौ मीटर दौड़ में लड़कों के वर्ग में संकेत और लड़कियों के वर्ग में आरती रही प्रथम

प्राचार्य डॉक्टर दलबीर सिंह ने मुख्यातिथि का स्वागत किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

झज्जर। लंबी कूद प्रतियोगिता में अपनी प्रतिभा दिखाते हुए छात्रा, गोला फेंक प्रतियोगिता में अपनी प्रतिभा दिखाते हुए छात्र। फोटो : हरिभूमि

राजकीय स्नातकोत्तर नेहरू महाविद्यालय की 65वीं वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिताओं का वीरवार को आगाज हुआ। नेहरू कॉलेज के पूर्व छात्र और अमेरिका में वासकुलोनिक्स कंपनी के चीफ साइंटिफिक ऑफिसर व अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिक डॉक्टर जयपाल सिंह ने प्रतियोगिताओं का शुभारंभ किया। प्राचार्य डॉक्टर दलबीर सिंह ने मुख्यातिथि का स्वागत किया और बताया कि उन्होंने मेडिकल साइंस और रिसर्च की दुनिया में बड़ी उपलब्धियां हासिल की हैं तथा स्वास्थ्य और सामुदायिक सेवा के क्षेत्र में गहरी छाप छोड़ी है। मुख्यातिथि डॉक्टर जयपाल सिंह ने कहा कि नेहरू कॉलेज से प्राप्त शिक्षा ने उनकी जीवन भर उनका मार्गदर्शन किया। भारत की पहचान और अपनापन बिल्कुल अलग है। यह देश सभी प्रवासी भारतीयों के दिलों दिमाग में बसता है। प्रवासी भारतीय आज जिस ऊंचाई पर पहुंचे हैं, उसका आधार भारत में प्राप्त शिक्षा और संस्कार ही हैं। उन्होंने कहा कि खेलों में सफलता के लिए सामुदायिक भागीदारी बहुत आवश्यक है और खेल को केवल प्रतिस्पर्धा नहीं बल्कि हमें दिनचर्या का अभिन्न अंग बनाना चाहिए। वहीं विद्यार्थियों ने मार्च पास्ट किया और नियमों का पालन करते हुए खेलकूद में भाग लेने की शपथ ली।

ये रहे प्रतियोगिता के परिणाम

लड़कियों की 200 मीटर दौड़ में बीए द्वितीय वर्ष की आरती प्रथम, बीए द्वितीय वर्ष की साक्षी द्वितीय और एमए अंग्रेजी प्रथम वर्ष की अंजू तृतीय रही। लंबी कूद में बीए द्वितीय वर्ष की आरती प्रथम, बीए द्वितीय वर्ष की साक्षी द्वितीय और बीए द्वितीय वर्ष की प्रिया तृतीय रही। ऊंची कूद में बीए द्वितीय वर्ष की आरती प्रथम, एमएससी कंप्यूटर विज्ञान प्रथम वर्ष की पूजा द्वितीय और एमए अंग्रेजी द्वितीय वर्ष की अंजू तृतीय रही। गोला फेंक में बीए द्वितीय वर्ष की आरती प्रथम, बीए तृतीय वर्ष की निशा द्वितीय और एमए पत्रकारिता द्वितीय वर्ष की ज्योति तृतीय रही। 400 मीटर दौड़ में बीए द्वितीय वर्ष की आरती प्रथम, बीए प्रथम वर्ष की मानसी द्वितीय और एमए अंग्रेजी द्वितीय वर्ष की अंजू तृतीय रही। वहीं लड़कों की 800 मीटर दौड़ में बीए प्रथम वर्ष का नितिन प्रथम, बीसीए प्रथम वर्ष का विकास द्वितीय तथा बीए प्रथम वर्ष का वैभव तृतीय रहे। ऊंची कूद में बीए द्वितीय वर्ष का हर्षित प्रथम, बीए प्रथम वर्ष का नितिन द्वितीय और एमए द्वितीय वर्ष का नमय तृतीय रहे। गोला फेंक में बीसीए द्वितीय वर्ष का मान प्रथम, बीए द्वितीय वर्ष का गौरव द्वितीय और एमए भूगोल प्रथम वर्ष का नमय तृतीय रहे। लंबी कूद प्रतियोगिता में बीए प्रथम वर्ष का नितिन प्रथम, बीए तृतीय वर्ष का टिंकू द्वितीय और बीए द्वितीय वर्ष का गौरव तृतीय रहे। चार सौ मीटर दौड़ में बीए द्वितीय वर्ष का संकेत प्रथम, बीए प्रथम वर्ष का नितिन द्वितीय और बीए प्रथम वर्ष का देवव्रत तृतीय रहे। भाला फेंक में बीए तृतीय वर्ष का कुणाल प्रथम, बीए प्रथम वर्ष का नितिन द्वितीय और बीए द्वितीय वर्ष का सचिन तृतीय रहे।

महिलाओं के अधिकारों पर हुआ विस्तार व्याख्यान

बहादुरगढ़। विद्यार्थियों को जागरूक करतीं एडवोकेट प्रीति। फोटो : हरिभूमि

■ व्याख्यान के दौरान छात्राओं ने विभिन्न कानूनी पहलुओं पर प्रश्न पूछे जिनका संतोषजनक उत्तर वक्ता द्वारा दिया गया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

चौधरी हरद्वारी लाल राजकीय महाविद्यालय छारा में कार्यकारी प्राचार्य डॉ. अनीता दलाल के मार्गदर्शन में महिला प्रकोष्ठ ने घरेलू हिंसा और महिलाओं के अधिकार विषय पर एक विस्तार व्याख्यान आयोजित किया। कार्यक्रम का संचालन प्रकोष्ठ प्रभारी ज्योति ने किया। मुख्य वक्ता के रूप में एडवोकेट प्रीति ने छात्राओं को घरेलू हिंसा अधिनियम, महिलाओं के संवैधानिक अधिकार, कानूनी संरक्षण, उपलब्ध सहायता तंत्र और न्यायिक प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने स्पष्ट किया कि घरेलू हिंसा केवल शारीरिक क्षति तक सीमित नहीं, बल्कि मानसिक, आर्थिक, भावनात्मक और सामाजिक उत्पीड़न भी इसमें सम्मिलित हैं। उन्होंने कहा कि हर महिला को सम्मान और सुरक्षा के साथ जीवन जीने का अधिकार प्राप्त है तथा किसी भी प्रकार के अत्याचार की स्थिति में पुलिस, महिला हेल्पलाइन या संरक्षण अधिकारी से तुरंत शिकायत की जा सकती है। एडवोकेट प्रीति ने यह भी बताया कि कानून पीड़ित महिला को सुरक्षित निवास, संरक्षण, उपचार और आर्थिक सहयोग उपलब्ध कराने का प्रावधान करता है। व्याख्यान के दौरान छात्राओं ने विभिन्न कानूनी पहलुओं पर प्रश्न पूछे जिनका संतोषजनक उत्तर वक्ता द्वारा दिया गया। इस अवसर पर डॉ. संजय देसवाल, मंजू मलिक, डॉ. मनोज कुमार, देवेंद्र, डॉ. अश्वनी कुमार, ज्योति, गोविन्द सहित अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

छात्राओं को दिया आत्मरक्षा का ज्ञान

■ छात्राओं को इस कार्यशाला का पूरा लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

बहादुरगढ़। पुलिस से आत्मरक्षा के गुर सिखते विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

मॉडर्न स्कूल में छात्राओं के लिए आत्मरक्षा, नशा मुक्ति और महिला सुरक्षा पर एक महत्वपूर्ण कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन इंस्पेक्टर सतीश कुमार ने किया। उनके साथ हेड कांस्टेबल टीना, कांस्टेबल सोनू और हेड कांस्टेबल मीनाक्षी भी मौजूद रहीं, जिन्होंने अपने-अपने विषयों पर उपयोगी जानकारी साझा की। कार्यक्रम की शुरुआत विद्यालय के चेयरमैन राकेश सांगवान और डायरेक्टर उर्मिला सांगवान द्वारा अतिथियों के स्वागत से हुई। प्रिंसिपल संजीव कौशिक और वाइस प्रिंसिपल जितेंद्र दहिया ने भी छात्राओं को इस कार्यशाला का पूरा लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया। इंस्पेक्टर सतीश कुमार ने छात्राओं को सुरक्षा जागरूकता से जुड़े महत्वपूर्ण बिंदुओं से अवगत कराया और आत्मरक्षा के व्यावहारिक तकनीकों का प्रदर्शन किया। महिला सुरक्षा से जुड़े प्रमुख हेल्पलाइन नंबर, कानूनी अधिकार और आवश्यक सावधानियों की जानकारी दी गई। छात्राओं ने विभिन्न गतिविधियों में उत्साहपूर्वक भाग लिया और सवाल पूछकर अपनी जिज्ञासाओं का समाधान किया।

संवैधानिक मूल्यों की दी जानकारी

■ संविधान दिवस जैसे कार्यक्रम विद्यार्थियों के चरित्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

झज्जर। कार्यक्रम में उपस्थित शिक्षक एवं विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

संस्कारम विश्वविद्यालय के विधि संकाय द्वारा संविधान दिवस के उपलक्ष्य में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित विश्वविद्यालय के चांसलर डॉक्टर महिपाल ने अपने संबोधन में कहा कि ऐसे आयोजन न केवल विद्यार्थियों में संवैधानिक मूल्यों के प्रति सम्मान बढ़ाते हैं, बल्कि उन्हें जागरुक, जिम्मेदार और आदर्श नागरिक बनने की दिशा में भी मार्गदर्शन प्रदान करते हैं। संविधान दिवस जैसे कार्यक्रम विद्यार्थियों के चरित्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। विधि संकाय के डीन प्रोफेसर सुशील कुमार शर्मा ने संविधान की ऐतिहासिक यात्रा, महत्व और विधि शिक्षा के क्षेत्र में उसकी प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला।

यह संविधान राष्ट्र की आत्मा है

यह संविधान राष्ट्र की आत्मा है। यह केवल कानूनी दस्तावेज नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक भारत की जीवंत परंपरा का आधार है। कार्यक्रम का सबसे आकर्षक और भावनात्मक क्षण सभी विद्यार्थियों एवं शिक्षकों द्वारा संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक वाचन रहा। प्रस्तावना के शब्दों की सामूहिक गूंज ने पूरे सभागार में एकता, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व के आदर्शों को जीवंत कर दिया। इसके पश्चात विद्यार्थियों द्वारा प्रदर्शित वेशभूषा कार्यक्रम में भारत की सांस्कृतिक विविधता, स्वतंत्रता सेनानियों के योगदान और संविधान निर्माताओं के आदर्शों को अत्यंत प्रभावशाली तरीके से प्रस्तुत किया गया।

न्यूज डायरी

झज्जर। डीसीपी से मिलने उपरांत लघुसचिवालय परिसर में उपस्थित नप चेयरमैन जिले सिंह सैनी एवं अन्य। फोटो : हरिभूमि

डीसीपी से मिले बगैर पेमेंट दिए रफूचक्कर होने की घटना से क्षुब्ध व्यापारी

झज्जर। सामान लेकर बगैर पेमेंट किए युवकों के रफूचक्कर होने की घटना से क्षुब्ध व्यापारी वीरवार को डीसीपी लोगेश से मुलाकात करते हुए पूरे मामले से अवगत करवाया। नगर परिषद के चेयरमैन जिले सिंह सैनी के नेतृत्व में डीसीपी लोगेश कुमार से मिलने पहुंचे हरियाणा व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष केशव सिंघल, संरक्षक केडी शर्मा, जिला महासचिव सुनील यादव, उपाध्यक्ष गोपाल गोयल, सचिव रविंद्र सोनी ने घटना के आरोपियों को शीघ्र पकड़ने की मांग की। व्यापारियों की समस्या सुनने के बाद डीसीपी ने आरोपियों को शीघ्र पकड़ने का आश्वासन देते हुए दुकानदारों को इस प्रकार की घटनाओं से सचेत रहने के लिए व साइबर ठगों से बचने के लिए प्रेरित किया। नप चेयरमैन जिले सिंह ने बताया कि डीसीपी ने आगामी दिनों में व्यापार मंडल के साथ एक ट्रेनिंग कैंप का आयोजन करने की बात भी कही।

स्पोर्ट्स मीट में नीलगिरी सदन के खिलाड़ी रहे प्रथम

झज्जर। विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कृत करते हुए प्राचार्य मोहिंद्र सिंह गुलिया।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

एचआर ग्रीन फील्ड वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में तीन दिवसीय अंतर सदनीय स्पोर्ट्स मीट का आयोजन किया गया। खेल प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने बढ़ चढ़कर भाग लेते हुए अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता के ओवरऑल परिणामों में नीलगिरी सदन ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। इनके अलावा विंध्याचल सदन द्वितीय तथा अरावली सदन के खिलाड़ी तृतीय रहे। विजेता खिलाड़ियों को विद्यालय प्रबंधक विकास धनखड़, प्रदीप धनखड़ व प्राचार्य मोहिंद्र सिंह गुलिया ने मेडल पहना कर ट्रॉफी से सम्मानित किया। उन्होंने पीटीआई विकेश ठाकुर, अवधेश व गिन्नी देवी के प्रयासों की सराहना करते हुए विजेता खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

युवाओं को दी नशे से दूर रहने की नसीहत

■ कार्यक्रम में नशा मुक्त हरियाणा को लेकर साइकिल पर भ्रमण कर रहे सामाजिक कार्यकर्ता सुभाषचंद्र ने भी युवाओं को संबोधित किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

झज्जर। कार्यक्रम के दौरान नागरिक अस्पताल परिसर में उपस्थित पुलिस टीम सदस्य। फोटो : हरिभूमि

नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत पुलिस प्रशासन द्वारा जिले में नशामुक्ति अभियान चलाया जा रहा है। इस कड़ी में पुलिस की टीम गांव-गांव जाकर लोगों को किसी भी प्रकार के नशे से दूर रहने के लिए जागरुक तथा नशा करने वाले व्यक्ति का नशा छुड़वाने के लिए उनका उपचार करा रही है। इंस्पेक्टर बलदेव के नेतृत्व में टीम में शामिल एएसआई सुनील, एसपीओ संजीत व एलएचसी सपना द्वारा डोर-टू-डोर जाकर लोगों को नशे से दूर रहने, पौष्टिक आहर लेने, नियमित व्यायाम करने व पढ़ाई तथा खेलों पर ध्यान देने के लिए जागरुक किया जा रहा है। वीरवार को स्थानीय नागरिक अस्पताल परिसर में इंस्पेक्टर बलदेव ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि सकारात्मक जीवन शैली अपनाते हुए किसी भी संदिग्ध व्यक्ति, वाहन या गतिविधि की सूचना डायल 112 के माध्यम से पुलिस को दें।

प्रदेश के चौदह जिलों का भ्रमण किया

अभियान के अंतर्गत अब तक जिले में जहां सत्तर से अधिक युवाओं को नशा छुड़ाने संबंधी दवाई दी जा चुकी है उनमें से कई युवा नशा छोड़ कर समाज की मुख्यधारा में भी शामिल हो चुके हैं। कार्यक्रम में नशा मुक्त हरियाणा को लेकर साइकिल पर भ्रमण कर रहे सामाजिक कार्यकर्ता सुभाषचंद्र ने भी युवाओं को संबोधित किया। रिटायर्ड मंडी सुपरवाइजर सुभाषचंद्र के अनुसार मुख्यमंत्री आवास चंडीगढ़ से उन्होंने अपनी साइकिल यात्रा शुरू की थी। वे अब तक प्रदेश के चौदह जिलों का भ्रमण कर चुके हैं। इसके बाद वे भिवानी जिले की ओर कूच करेंगे।

हरियाणा क्रिकेट की टीम में संस्कारम के खिलाड़ी हर्षित का चयन

झज्जर। शिक्षकों के साथ उपस्थित क्रिकेट खिलाड़ी हर्षित। फोटो : हरिभूमि

झज्जर। संस्कारम पब्लिक स्कूल के कक्षा 12वीं के छात्र हर्षित का चयन स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया प्रतियोगिता के लिए हरियाणा अंडर-19 आयुवर्ग की क्रिकेट टीम में हुआ है। कोच आनंद यादव ने बताया कि हर्षित ने भिवानी में आयोजित राज्य स्तरीय चयन टूर्नामेंट में जिले की टीम की ओर से खेलते हुए अपना असाधारण प्रदर्शन दर्ज कराया। उसने तीन निर्णायक मैचों में कुल 258 रन बनाए जिनमें से से दो मैचों में वह नाबाद रहा तथा एक मैच में शतक सहित 137 रन बनाए। इस उपलब्धि पर संस्कारम ग्रुप ऑफ स्कूल्स के चेयरमैन डॉक्टर महिपाल ने हर्षित के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। अब हर्षित आगामी 5 से 9 दिसंबर तक हिसार में होने वाली राष्ट्रीय चैंपियनशिप में प्रदेश का प्रतिनिधित्व करेगा। जिसमें देश भर से 42 टीमें हिस्सा लेंगी।

छात्राओं को सिखाए आत्मरक्षा के गुर

बहादुरगढ़। दुर्गा शक्ति टीम लगातार छात्राओं को सशक्त बनाने के लिए जागरूकता अभियान चला रही है। इसी कड़ी में निरीक्षक सतीश कुमार की देखरेख में मॉडल पब्लिक स्कूल और हरदयाल पब्लिक स्कूल में कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में छात्राओं को आत्मरक्षा के महत्वपूर्ण तकनीकें सिखाई गईं, ताकि वे किसी भी आपात स्थिति में खुद की सुरक्षा कर सकें और आत्मविश्वास के साथ परिस्थिति का सामना कर सकें। टीम ने बताया कि आत्मरक्षा का ज्ञान महिलाओं को मजबूत और आत्मनिर्भर बनाता है। इसके साथ ही डायल 112 की कार्यप्रणाली और उपयोगिता पर भी विस्तृत जानकारी दी गई। छात्राओं को समझाया गया कि किसी भी प्रकार की आपात स्थिति चाहे सुरक्षा, स्वास्थ्य या अन्य सहायता की जरूरत हो तो डायल 112 पर तुरंत मदद उपलब्ध होती है।

यजमान के रूप में पंडित ईश्वर शास्त्री व उनकी धर्मपत्नी राजबाला देवी उपस्थित रहीं

श्रीमद भागवत कथा के प्रथम अध्याय का रसपान कराया

■ जिले के गांव बहु में चल रही श्रीमद भागवत कथा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

जिले के गांव बहु में चल रही श्रीमद भागवत कथा के दौरान कथावाचक आचार्य रवि शास्त्री द्वारा श्रद्धालुओं को प्रथम अध्याय का श्रवण कराया गया। इस दौरान यजमान के रूप में पंडित ईश्वर शास्त्री व उनकी धर्मपत्नी राजबाला देवी उपस्थित रहीं। कथा के दौरान आचार्य रवि शास्त्री ने बताया कि एक विद्वान पंडित आत्मदेव उनकी धर्मपत्नी पुत्र न होने के कारण वह परेशान थे। ऐसे में आत्मदेव आत्महत्या करने के लिए चल पड़ते हैं तो रास्ते में उन्हें एक ऋषि मिलते हैं। उनका मुरझाया चेहरा समझ कर वे से पुत्र पैदा होने के लिए एक आम का फल प्रदान करते हैं। पंडित की धर्मपत्नी आम का फल गौमाता को दे देती है और अपनी बहन से पुत्र गोद ले लेती है। उधर आम के प्रभाव से गोमाता को पुत्र पैदा होता है जिसके कान बड़े होने के कारण उसका नाम गौकर्ण रख दिया जाता है। पंडित का पुत्र धुंधकारी दुष्ट प्रवृत्ति का व्यक्ति था। वह साधु-संतों के साथ हमेशा अन्याय करता था और गौकर्ण महात्मा के आशीर्वाद से साधु-संतों की सेवा करता था। धुंधकारी के मरने के बाद गौकर्ण ने उनकी आत्मा को शांत करने के लिए श्रीमद् भागवत कथा सुनाई और अपने भाई का पितृ मोक्ष उद्धार किया।

झज्जर। श्रद्धालुओं को श्रीमद् भागवत कथा सुनाते हुए आचार्य रवि शास्त्री। फोटो : हरिभूमि

ये मौजूद रहे

इस मौके पर नरेश भारद्वाज, लालचंद, इन्द्र कौशिक, ईश्वर जांगड़ा, बाला, जानकी, राजपाल राजपूत, शिव कुमार स्वामी, रणसिंह राजपूत, कपिल कोहली, नीलम देवी, कविता, उषा, कृष्णा, माया, ममता, सुमित्रा, सरोज, राधा सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

डॉ. पंकज जैन ने सरकार की नीतियों को सराहा

बहादुरगढ़। भाजपा नेता डॉ. पंकज जैन ने कहा कि आज भारत विश्व मंच पर नई ऊंचाइयों को छू रहा है और इसका श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में उठाए गए ऐतिहासिक कदमों व मजबूत नीतियों को जाता है। बीते वर्षों में भारत ने न केवल आर्थिक, सा मा जि क , तकनीकी और वैश्विक कूटनीति के क्षेत्र में अपनी पहचान बनाई है बल्कि दुनिया में एक निर्णायक तथा प्रभावशाली राष्ट्र के रूप में उभरा है। डॉ. पंकज ने कहा कि भाजपा सरकार की उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य भाजपा कार्यकर्ता पूरी निष्ठा से कर रहे हैं। केंद्र सरकार ने जनकल्याण को सर्वोपरि रखते हुए गरीब, किसान, महिलाएं, युवा और बुजुर्गों के लिए अभूतपूर्व योजनाएं लागू की हैं।

सूचना

मैं महेंद्र सिंह पुत्र लखी राम निवासी मौहल्ला छावनी झज्जर, तहसील व जिला झज्जर बयान करता हूं कि मेरी पुत्री ज्योति मेरे व मेरे परिवार के कहने-सुनने से बाहर है तथा शादी करने के उपरांत हमसे अलग रह रही है। इसलिए मैं उसे अपनी चल-अचल संपत्ति से बेदखल करता हूं। भविष्य में उसके साथ किसी भी प्रकार का लेन-देन व व्यवहार रखने वाला स्वयं जिम्मेवार होगा। इसमें मेरी और मेरे परिवार के अन्य सदस्यों की कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

सूचना

हम, कमल कुमार पुत्र श्री रामफल व श्रीमती सविता पत्नी श्री कमल कुमार निवासी वीपीओ कसार, तह. बहादुरगढ़, झज्जर बयान करते हैं कि हमारे दो पुत्र अभीषेक मुदगील व अनुराग मुदगील व एक पुत्री निधी शर्मा हैं। हमारी पुत्री निधी शर्मा हमारे कहने-सुनने से बाहर है। इसलिये हम इसको अपनी चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल करते हैं। इससे लेन-देन, व्यवहार करने वाला स्वयं जिम्मेवार होगा। हमारी व हमारे परिवार की कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

खबर संक्षेप

सड़क हादसे में बाइक सवार घायल

बहादुरगढ़। केएमपी पर आसौदा टोल के निकट सड़क हादसे में बाइक सवार युवक घायल हो गया। घायल की पहचान रवि निवासी बवानी खेड़ा के रूप में हुई है। राहगीरों ने देखा तो उसे संभाला। इसके बाद एंबुलेंस के जरिये उसे बहादुरगढ़ के नागरिक अस्पताल में लाया गया। गंभीर चोट होने के चलते उसे पीजीआई रोहतक रेफर कर दिया गया। दुर्घटना की वजह अभी स्पष्ट नहीं है, घायल के बयान के बाद ही पुष्टि हो सकेगी।

कुत्ता सामने आने से असंतुलित हुई स्कूटी, दो घायल

झज्जर। मातनहेल-नौगांवा मार्ग पर एक अवारा कुत्ता सामने आने से असंतुलित हुई स्कूटी के कारण दो लोग घायल हो गए। घायलों की पहचान दिल्ली निवासी मोहन कुमार व प्रेम के तौर पर हुई है। दोनों ही झाड़ली प्लांट क्षेत्र में पेंटिंग का कार्य करते हैं। जानकारी के अनुसार मोहन और प्रेम किसी काम से सुबह शहर आए थे। काम निपटाकर जब दोपहर करीब तीन बजे जब वापिस झाड़ली प्लांट लौट रहे थे नौगांवा के नजदीक रास्ते में अचानक एक कुत्ता उनके सामने आ गया। कुत्ते को बचाने में वे स्कूटी का संतुलन खो बैठे और जमीन गिरने से गंभीर रूप से घायल हो गए। इसके बाद राहगीरों की सहायता से दोनों को उपचार के लिए निकटवर्ती अस्पताल ले जाया गया। जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें स्थानीय नागरिक अस्पताल रेफर कर दिया।

दुकानदारों की दुकानदारी भी हो रही प्रभावित

अधर में लटके नाला निर्माण कार्य से छावनी मोहल्ला निवासी परेशान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

छावनी मोहल्ला स्थित रहणिया कालोनी के निवासियों को नाला निर्माण कार्य रोके जाने के कारण परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कालोनीवासियों का कहना है कि यहां छावनी क्षेत्र में नए नाले का निर्माण किया जा रहा था, लेकिन घटिया निर्माण सामग्री लगाए जाने के कारण पार्षद ने नाला निर्माण रुकवा दिया।

अब पिछले चार-पांच दिनों से यह कार्य अधर में लटका है। कालोनीवासियों ने बताया कि मुख्य सड़क किनारे बनाए जा रहे इस नाले के साथ जहां पन्द्रह से बीस दुकानें लगती है वहीं दो से तीन गलियां भी आती हैं। कालोनीवासी गीता देवी, सरोज, मुकेश देवी आदि ने बताया कि वे चाहती हैं कि बनाए जा रहे नाले में गुणवत्तापूर्ण सामग्री लगे, लेकिन कई दिन बीतने के बावजूद भी कार्य शुरू न होने से उन्हें व बच्चों को परेशानी आ रही है। मुख्य सड़क पर आने के लिए खाईनुमा नाले को पार करना पड़ता है। उन्हें स्कूल भेजने के लिए छोटे बच्चों को गोद में उठाकर मुश्किल से नाला पार कराना पड़ता है। दो दिन पहले एक बच्ची इस नाले में गिर कर चोटिल भी हो चुकी है।

झज्जर। अधूरे छोड़े गए नाले को दिखाते हुए कालोनीवासी। फोटो: हरिभूमि

शौचादि में भी परेशानी

इसी प्रकार दुकानदारों की दुकानदारी भी प्रभावित हो रही है। वे पिछले कई दिनों से अपनी दुकान बंद करने पर मजबूर हैं। मोबाइल शॉप संचालक सोमबीर, ब्रास बैंड संचालक शैलेष कांगड़ा, फर्नीचर दुकान के संचालक राकेश, लीलूराम सभी की यही स्थिति है। लाइब्रेरी संचालक विक्रम ने बताया कि उसकी लाइब्रेरी में नियमित रूप से करीब दो सौ विद्यार्थी अध्ययन करने आते हैं। नाला निर्माण रुकने के कारण उन्हें सबसे अधिक परेशानी आ रही है। इसके अलावा नाला खुदाई के दौरान टूटे सीवरेज कनेक्शन के चलते विद्यार्थियों को शौचादि में भी परेशानी आ रही है। कालोनीवासियों के अनुसार वे इस संबंध में वार्ड पार्षद के साथ नगर परिषद अधिकारियों से मिलने भी गए थे जिन्होंने एक-दो दिनों में जेसीबी द्वारा नाले के ऊपर से जाने के लिए अस्थाई रास्ता बनाने आश्वासन दिया था।

बहादुरगढ़। पीड़ित परिवार के बीच पहुंचे मंच सदस्य। फोटो : हरिभूमि

अमन मामले में मंच ने कार्रवाई की मांग उठाई

बहादुरगढ़। स्टेडियम से लेकर पीजीआई तक की अव्यवस्थाओं को लेकर उठ रहे सवालों के बीच नागरिक मंच बहादुरगढ़ ने भी तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। सरकार से मामले में उचित कार्रवाई की मांग उठाई है। मंच के पदाधिकारियों व सदस्यों ने वीरवार को पीड़ित परिवार के बीच जाकर दुख प्रकट किया। अमन को श्रद्धांजलि अर्पित की। मंच के संयोजक रामकिशन ने कहा कि खेल सुविधाओं की बदहाल स्थिति ने दो उभरते खिलाड़ियों की जान ले ली, जो प्रदेश के खेल तंत्र पर बड़ा सवाल खड़ा करती है। यह समय संवेदनशीलता के साथ तत्काल ठोस कदम उठाने का है, ताकि भविष्य में ऐसी किसी भी दुर्घटना की पुनरावृत्ति न हो। मंच ने राज्य सरकार और खेल मंत्रालय के समक्ष सभी खेल परिसरों और पार्कों में डैमेज या जर्जर उपकरणों को तुरंत बदला जाने की मांग रखी है। इसके अलावा दोनों मृत खिलाड़ियों के आश्रित परिवारों को 20-20 लाख रुपये की आर्थिक सहायता, खेल और शिक्षा क्षेत्र के बजट में कम से कम 10 प्रतिशत राशि निर्धारित करने सहित अन्य जरूरी मांग उठाई। रामकिशन ने कहा कि खेल प्रतिभाओं की सुरक्षा और सम्मान सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए।

सेमिनार में निर्यात के नए अवसरों पर चर्चा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

कन्फेडरेशन ऑफ बहादुरगढ़ इंडस्ट्रीज, डीजीएफटी और ईसीजीसी के सहयोग से फेडरेशन ऑफ इम्पोर्ट-एक्सपोर्ट ऑर्गेनाइजेशन द्वारा इंडिया-यूके व्यापक आर्थिक एवं व्यापार समझौते के माध्यम से निर्यात अवसर विषय पर एक महत्त्वपूर्ण सेमिनार आयोजित किया गया।

इस सेमिनार में भारत-यूके सीईटीए के अंतर्गत खुल रहे नए व्यापार अवसरों, सरकारी नीतियों, जोखिम प्रबंधन, निर्यात प्रोत्साहन योजनाओं तथा वैश्विक व्यापार के बदलते स्वरूप पर विस्तार से चर्चा हुई। कोबी के अध्यक्ष प्रवीण गर्ग के नेतृत्व में संगठन के अनेक सदस्य सेमिनार में उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि कोबी आगे भी ऐसे उपयोगी कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से भाग लेकर स्थानीय उद्योगों को वैश्विक स्तर पर आगे बढ़ाने के लिए निरंतर सहयोग करता रहेगा।

कोबी के कार्यकारिणी सदस्य रवि चमड़िया ने झज्जर जिले के उद्योगों की ओर से इंडिया–यूके सीईटीए का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि यह समझौता स्थानीय उद्योगों को अंतरराष्ट्रीय बाजार में अपनी पकड़ मजबूत करने, प्रतिस्पर्धा बढ़ाने तथा गुणवत्तापूर्ण उत्पादों को विश्व स्तर तक पहुंचाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। पुरुषोत्तम गोयल ने भी उद्योगों का प्रतिनिधित्व करते हुए सेमिनार की उपयोगिता पर अपने विचार प्रकट किए। इस दौरान रवि चमड़िया ने निर्यात को बढ़ावा देने के लिए एमएसएमई इकाइयों के लिए प्रशिक्षण और जागरूकता कार्यक्रम बढ़ाए जाने, नियम और अनुपालन प्रक्रियाएं सरल की जाने, लॉजिस्टिक्स व्यवस्था को अधिक सुदृढ़ किया जाए सहित अन्य सुझाव रखे।

बहादुरगढ़। सेमिनार में मौजूद उद्यमी। फोटो : हरिभूमि

खेल स्टेडियम में हुए दर्दनाक हादसों ने सरकार की खेल डिप्लोमेसी की खोली पोल : कादियान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

लाखन माजरा व बहादुरगढ़ स्टेडियम में हुए दर्दनाक हादसे में बास्केटबॉल के उभरते सितारे हार्दिक राठी और अमन की मौत ने पूरे खेल जगत को झकझोर दिया है। हरियाणा सरकार ओलंपिक में चीन और अमेरिका को पीछे छोड़ने के दावे कर रही थी, लेकिन स्टेडियमों की बदहाल हालत ने सरकार की कार्यप्रणाली पर बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है। यह कहना है कांग्रेस नेता विक्रम कादियान का। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों के लिए सुरक्षित और बेहतर खेल ढांचा न होने के कारण भारत ने दो अंतर राष्ट्रीय सितारे खो दिए, जिनके दम पर ओलंपिक मेडल की उम्मीद थी। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार ने 35सौ करोड़ के खेल बजट में से हरियाणा को मात्र 80 करोड़ का अनुदान देकर खिलाड़ियों का अपमान किया है। यदि बजट पर्याप्त होता, तो स्टेडियमों की हालत सुधर जाती और खिलाड़ियों को जिंदगी से हाथ न धोना पड़ता। उन्होंने कहा कि रोहतक के सांसद दीपेंद्र हुड्डा द्वारा दिए अनुदान का भी उपयोग खेल ढांचों पर नहीं किया गया। कांग्रेस सरकार में बने सैकड़ों स्टेडियम 11 वर्षों से वीरान पड़े हैं, जिन्हें खेल नीति से अलग कर दिया गया, जबकि भूपेंद्र सिंह हुड्डा की खेल नीति ने भारत को खेल महाशक्ति बनाने में प्रमुख भूमिका निभाई थी। उन्होंने बताया कि माजरा दूबलधन स्टेडियम 15 साल से जलभराव के तालाब में बदल चुका है।

झज्जर। दूबलधन गांव के खेल स्टेडियम की दयनीय हालत। फोटो : हरिभूमि

फाउंडेशन पब्लिक स्कूल में वार्षिक उत्सव 30 को

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

फाउंडेशन पब्लिक स्कूल में आगामी 30 नवंबर को वार्षिक उत्सव धूमधाम से आयोजित किया जाएगा। इस वर्ष कार्यक्रम की थीम 'वसुधैव कुटुंबकम' रखी गई है, जिसका संदेश पूरा विश्व एक परिवार है।

विद्यालय प्रबंधन का उद्देश्य इस विचारधारा के माध्यम से विद्यार्थियों में मानवता, सहयोग और वैश्विक एकता की भावना विकसित करना है। कार्यक्रम का शुभारंभ शाम चार बजे विद्यालय परिसर में दीप प्रज्वलन और सरस्वती वंदना से किया जाएगा। इसके बाद छात्र विविध सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से थीम को जीवंत करेंगे।

उत्सव में मुख्य अतिथि के रूप में दिनेश कौशिक और विशिष्ट अतिथि के रूप में नगर परिषद अध्यक्ष सरोज राठी उपस्थित रहेंगी। प्रिंसिपल मोनिका राठी ने अभिभावकों, अतिथियों से आग्रह किया है कि वे कार्यक्रम में शामिल होकर बच्चों का मनोबल बढ़ाएं।

16 में से 11 शिकायतों का हुआ समाधान

- जिला लोकसंपर्क एवं परिवेदना समिति की हुई बैठक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

जिला लोकसंपर्क एवं परिवेदना समिति की बैठक वीरवार को लघु सचिवालय स्थित संवाद भवन में आयोजित हुई। जिसकी अध्यक्षता हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा ने की। बैठक में जिले के विभिन्न गांवों एवं शहरी क्षेत्रों से आए नागरिकों की कुल 16 शिकायतें प्रस्तुत की गईं, जिनमें से 11 मामलों का समाधान बैठक के दौरान ही कर दिया गया, जबकि शेष शिकायतों को आगामी सुनवाई के लिए रखा गया है। कैबिनेट मंत्री श्याम सिंह राणा ने कहा कि वर्तमान सरकार जनता की समस्याओं को गंभीरता से सुनने और समाधान करने को लेकर प्रतिबद्ध है। प्रत्येक माह ग्रीवेंस कमेटी की बैठक आयोजित की जाती है जिसमें जन समस्याओं पर सुनवाई की जाती है।

झज्जर। बैठक में जनसमस्याओं की सुनवाई करते हुए कैबिनेट मंत्री श्याम सिंह राणा।

शिकायतों की जांच में पारदर्शिता बनाए रखें

अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि शिकायतों की जांच में पारदर्शिता बनाए रखें और शिकायतकर्ता को हर चरण में शामिल किया जाए ताकि समाधान प्रभावी और संतोषजनक हो। भाजपा जिलाध्यक्ष विकास वाल्मीकि, जिप चेयरमैन कप्तान सिंह बिरधाना, नप चेयरमैन जिले सिंह सैनी, नप बहादुरगढ़ चेयरपर्सन सरोज राठी, नपा चेयरमैन बेरी देवेंद्र कादियान, संजय कबलाना, राजपाल जागड़ा, मनीष बंसल आदि मौजूद रहे।

झज्जर। हड़ताल में उपस्थित कनिष्ठ अभियंता। फोटो : हरिभूमि

कनिष्ठ अभियंताओं की अनिश्चितकालीन हड़ताल जारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

सिंचाई विभाग के उच्च अधिकारियों की मनमानी, वायदाखिलाफी व नकारात्मक रवैए को लेकर कनिष्ठ अभियंताओं द्वारा की जा रही अनिश्चितकालीन हड़ताल वीरवार को भी जारी रही। हड़ताल में डिप्लोमा इंजीनियर्स एसोसिएशन के सीनियर वाईस प्रेसिडेंट जेई विवेक भारद्वाज ने बताया कि विभागीय अधिकारियों द्वारा उनकी मांगों की ओर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा जिस कारण उन्होंने अनिश्चिकालीन हड़ताल का रास्ता अपनाया है। इस दौरान जेई अमित मेहरा, चंद्रकांत, अमित डांगी, प्रदीप हुड्डा, बहादुर सिंह, मंदीप मलिक, जयदीप के साथ-साथ मैकेनिकल वर्कर्ज यूनियन रोहतक के प्रधान राकेश लाकड़ा व सदस्य शिवकुमार और राजेश भी समर्थन देने पहुंचे। उन्होंने कहा कि हड़ताल में शामिल कनिष्ठ अभियंताओं की मांगे जायज हैं। यदि उनकी मागें नहीं मानी गई तो यह हड़ताल जारी रहेगी।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
बहादुरगढ़ : सूरजमल वाली गली, गणपति ट्रैवलर्स के ऊपर, नजदीक टैक्सी स्टैंड, बहादुरगढ़
झज्जर :- पुराना बर्फ खाना रोड, शिव चौक, झज्जर
फोन : 8295738500, 8814999142, 8295157800, 9253681005

डीसी ने सुनी लोगों की समस्याएं

हरिभूमि न्यूज. झज्जर : वीरवार को लघु सचिवालय परिसर में आयोजित समाधान शिविर में डीसी स्वप्निल रविंद्र पाटिल ने नागरिकों की समस्याएं सुनीं, संबंधित विभागों के अधिकारियों को मौके पर ही आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि समाधान शिविर केवल शिकायतें सुनने का मंच नहीं, बल्कि बेहतर प्रशासनिक व्यवस्था और त्वरित सेवा प्रदान करने का प्रभावी माध्यम है। शिविर में बिजली, पानी, सामाजिक सुरक्षा योजनाओं, राजस्व मामलों, पेंशन, अवैध कब्जों, स्वच्छता, सड़क संबंधी समस्याओं सहित कई विषयों से जुड़ी समस्याएं दर्ज हुईं। डीसी ने विभागीय अधिकारियों को त्वरित समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

झज्जर। समाधान शिविर में लोगों की समस्याएं सुनते हुए डीसी स्वप्निल रविंद्र पाटिल।

ब्रिगेडियर होशियार सिंह का मनाया शहादत दिवस

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

भारत-चीन युद्ध में अदम्य साहस का परिचय देते हुए प्राणों का बलिदान देने वाले शहीद ब्रिगेडियर होशियार सिंह राठी का बलिदान दिवस वीरवार को आदर व सम्मान के साथ मनाया गया। इस उपलक्ष्य में दिल्ली–रोहतक रोड स्थित उनके स्मारक पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। पूरा परिसर शहीद ब्रिगेडियर होशियार सिंह राठी अमर रहे व भारत माता की जय के जयकारों से गूंज उठा।

शहीद के परिवार, पूर्व सैनिकों, विभिन्न सामाजिक संस्थाओं से जुड़े लोगों ने उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की। इस मौके पर ब्रिगेडियर राठी के पुत्र रिटायर्ड लेफ्टिनेंट कर्नल गजेंद्र सिंह राठी, रिटायर्ड विंग कमांडर बलराज सिंह राठी, दीपा राठी, राहुल राठी और सीमा सिंह राठी सहित परिवार के अन्य सदस्य मौजूद रहे।

गांव सांखोल के सरपंच प्रतिनिधि राजकुमार अहलावत और इन्द्रमुनि ने ब्रिगेडियर साहब के परिवार का तिरंगा पटका भेंट कर स्वागत किया। श्रद्धांजलि सभा के दौरान गजेंद्र सिंह राठी ने अपने पिता ब्रिगेडियर होशियार सिंह के जीवन से जुड़े कई प्रेरणादायक किस्से साझा किए। वहीं, विंग कमांडर बलराज सिंह राठी ने भी अपने अनुभवों को याद करते हुए उनके साहस और देशभक्ति को नमन किया। कार्यक्रम के दौरान सामाजिक कार्यकर्ता विजय कालीरमन और जयपाल सांगवान ने स्मारक की बदहाल स्थिति पर चिंता जताते हुए इसके सौंदर्यीकरण की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने सभी से सहयोग की अपील की। सांखोल के सरपंच प्रतिनिधि मास्टर राजकुमार ने स्मारक के सौंदर्यीकरण का पूरा खर्च उठाने की घोषणा की।

वहीं, संघर्षशील जनकल्याण सेवा समिति सांखोल की ओर से भी 11 हजार रुपये सहयोग राशि देने की घोषणा की गई। त्रिवेणी भूतपूर्व सैनिक संगठन सहित विभिन्न संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने भी हरसंभव मदद का भरोसा दिया। बता दें कि 16 दिसंबर 1916 को गांव सांखोल के एक किसान परिवार में जन्मे होशियार सिंह में बचपन से देश सेवा का जज्बा था। चीन युद्ध के दौरान सेला पास में मोर्चा संभालते हुए उन्होंने अदम्य साहस का परिचय दिया और देश की रक्षा करते हुए वीरगति प्राप्त की।

बहादुरगढ़। स्मारक पर जुटे पूर्व सैनिक, संगठनों से जुड़े लोग तथा सांखोल के ग्रामीण। फोटो: हरिभूमि

शहीद ब्रिगेडियर होशियार सिंह राठी को किया नमन

शहीद ब्रिगेडियर होशियार सिंह राठी का शहादत दिवस वीरवार को मनाया गया। इस दौरान आयोजित श्रद्धांजलि सभा में नगर परिषद की चेयरपर्सन सरोज राठी ने भी भाग लिया और शहीद की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। साथ ही उन्होंने शहीद ब्रिगेडियर होशियार सिंह अमर रहें के नारे लगाकर वीरभूमि के इस सपूत को याद किया। श्रद्धांजलि समारोह के दौरान चेयरपर्सन प्रतिनिधि रमेश राठी, पार्षद राजेश तंवर, मनमोहित गुप्ता, सोमपाल, धर्मवीर सिंह कादयान, पवन कोच, महेंद्र, संदीप सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। सभी ने शहीद की प्रतिमा पर फूल चढ़ाकर उनके प्रति अपनी श्रद्धा और सम्मान व्यक्त किया।

दिनेश शेखावत का अभिनंदन किया

बहादुरगढ़। राष्ट्रीय गौरक्षा वाहिनी गोसेवा संघ हरियाणा के नए प्रदेश उपाध्यक्ष नियुक्त किए गए दिनेश सिंह शेखावत का श्याम मोटर्स में भव्य स्वागत किया गया। अभिनंदन समारोह में शहर के प्रमुख व्यक्ति, गो सेवक तथा विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधि बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। श्याम मोटर्स के प्रबंधक आरबी गौड़ और सहयोगियों ने उन्हें स्मृति चिन्ह तथा फूलों का गुलदस्ता भेंट कर सम्मानित किया। उपस्थित सभी सदस्यों ने उन्हें नई भूमिका के लिए शुभकामनाएं दीं।

ये रहे मौजूद

कार्यक्रम में योगेश सहगल, संजय वर्मा, धर्मेंद्र सैनी, सुदेश रंगा, वीरेंद्र छिल्लर, राहुल खत्री, अमित छाबड़ा, मनोज सिन्हा, गोपाल माहेश्वरी आदि उपस्थित रहे।

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5×8 सें.मी 10×8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2500/- रु. 3000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
झज्जर : हरिभूमि कार्यालय, पुराना बर्फ खाना रोड, शिव चौक, फोन : 8295876400
बहादुरगढ़ : सुरजमल वाली गली, रोहतक रोड, गणपति ट्रैवल्स के ऊपर, 8295852900